(SHRI KARTIK ORAON): (a) to (c) A commemorative stamp was issued on Mahakavi Bharathi on 11-9-1960 and there is no proposal under consideration of the Government to issue another stamp on Mahakavi Bharathi on the occasion of his centenary celebrations.

हिन्दू विवाह अधिनियम में संशोधन का प्रस्ताव

313. *श्री मंगल राम प्रेमी :*
श्री शिव शरण वर्मा :

क्या विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार हिन्दू समाज में दो से अधिक विवाह की अनुमति देने के लिए पुराने कानूनों में संशोधन करने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है; यदि नहीं, तो इस सम्बन्ध में सरकार को क्या कठिनाई है ;

(ख) यदि हां, तो क्या हिन्दू भी बहुविवाह कर सकते हैं जैसे कि इस्लाम में इसकी अनुमति है ;

(ग) अन्तर्जातीय विवाह को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ; और

(घ) क्या विवाह कानून में प्रस्तावित संशोधन से परिवार नियोजन कार्यक्रम पर बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा तत्सम्बन्धी पूरा ब्यौरा क्या है ?

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्री (श्री पी० शिवशंकर) : (क) सरकार नीति के विषय के रूप में, ऐसा कोई संशोधन करने का प्रस्ताव नहीं करती है ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।

(ग) अन्तर्जातीय विवाहों पर लगे विधिक निर्बन्धन बहुत पहले 1949 में ही समाप्त कर दिए गए थे और यह हर व्यक्ति का काम है कि वह अपना पति/अपनी पत्नी चुने ।

(घ) विवाह सम्बन्धी विधियों में प्रस्तावित संशोधन वे ही हैं जो विवाह विधि (संशोधन) विधेयक, 1981 में सम्मिलित किए गए हैं । यह विधेयक लोक सभा में 27 फरवरी, 1981 को पुरःस्थापित किया गया था । इन संशोधनों से परिवार नियोजन कार्यक्रमों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा ।

महर्षि दयानन्द की स्मृति में डाक टिकट

314. **श्री शिव शरण वर्मा : क्या संचार** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने महर्षि दयानन्द की स्मृति में कोई डाक टिकट जारी किया है और यदि हां, तो कब तथा उस डाक टिकट का मूल्य क्या है ;

(ख) यदि नहीं, तो क्या सरकार का विचार महर्षि दयानन्द की स्मृति में कोई डाक टिकट जारी करने का है ;

(ग) यदि हां, तो कब तक तथा उस डाक टिकट का मूल्य क्या होगा ; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है ?

संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री कार्तिक उरांव) : (क) महर्षि दयानन्द की स्मृति में एक 15 पैसे मूल्य का डाक टिकट 4 मार्च, 1962 को जारी किया गया था ।

(ख), (ग) एवं (घ) : उपर्युक्त (क) के उत्तर को ध्यान में रखते हुए इसका प्रश्न ही नहीं उठता ।